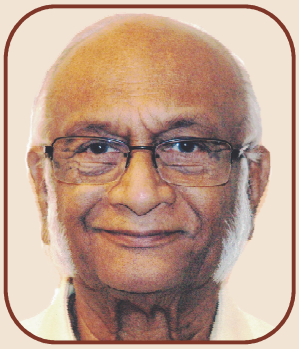

## SHRI SATYA BRATA MOOKHERJEE (POSTHUMOUS)

Shri Satya Brata Mookherjee was a renowned Barrister and Senior Advocate, former Member of Parliament elected to the 13th Lok Sabha and a public figure.

2. Born on 8th May, 1932 in Sylhet, Assam (now in Bangladesh), Shri Mookherjee attended St. Edmunds School at Shillong, and thereafter received his Bachelor of Arts (English) degree from Presidency College, Calcutta University. He went to United Kingdom for further studies, where he read for a Diploma in Journalism at the London and Regent Street Polytechnic, London. He was called to the Bar by the Hon'ble Society of Lincoln's Inn in 1955.

3. After returning from the United Kingdom, Shri Mookherjee enrolled as an Advocate in the Hon'ble High Court at Calcutta in 1957 and practiced under the tutelage of Shri Subimal C. Roy and thereafter, under Shri S.C. Sen, both Barristers. Eventually, he practiced before many Courts and Tribunals across the nation, including the Hon'ble Supreme Court of India. He was designated as a Senior Advocate in 1976 and was a renowned lawyer specializing in commercial law and in particular, Company Law. He served as the Additional Solicitor General of India at the Hon'ble High Court at Calcutta in 1998. He was conferred the Lifetime Achievement Award by Indian Law institute, West Bengal State Unit.

4. Shri Mookherjee was keenly involved in public life and devoted himself to public causes. He implemented social welfare measures for upliftment of the poor and education and literacy of people, especially in his ancestral village, Jamalpur, in the Nadia District, West Bengal. He was elected as the Member of Parliament from the Krishnanagar Constituency to the 13th Lok Sabha and was part of the Union Council of Ministers. He held many portfolios: Minister of State for Chemicals and Fertilizers; Minister of State for Social Justice and Empowerment; Minister of State for Statistics & Programme Implementation; Minister of State for Planning; Minister of State for Atomic Energy and Space and Minister of State for Commerce and Industry. He was also a member of the Bengal Rose Society and had served as its President.

5. Shri Mookherjee passed away on 3rd March, 2023.

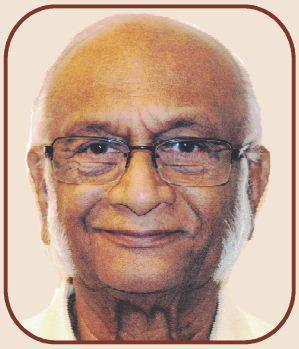

## श्री सत्य व्रत मुखर्जी (मरणोपरांत)

श्री सत्य व्रत मुखर्जी, एक प्रसिद्ध बैरिस्टर और वरिष्ठ अधिवक्ता, 13वीं लोक सभा के निर्वाचित सदस्य और एक सार्वजनिक व्यक्ति थे।

2. 8 मई, 1932 को सिल्हट, असम (अब बांग्लादेश में) जन्मे, श्री मुखर्जी ने शिलांग के सेंट एडमंड्स स्कूल से प्रारम्भिक शिक्षा ग्रहण की। उसके बाद, उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रेसीडेंसी कॉलेज से बैचलर ऑफ आर्ट्स (अंग्रेजी) की डिग्री प्राप्त की। वह आगे की पढ़ाई के लिए यूनाइटेड किंगडम गए, जहां उन्होंने लंदन के रीजेंट स्ट्रीट पॉलिटेक्निक, से पत्रकारिता में डिप्लोमा किया। ऑनरेबल सोसायटी ऑफ लिंकन द्वारा 1955 में उन्हें बार में शामिल किया गया।

3. यूनाइटेड किंगडम से लौटने के बाद, श्री मुखर्जी वर्ष 1957 में माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में अधिवक्ता बने तथा पहले श्री सुबिमल सी. रॉय और फिर श्री एस. सी सेन दोनों बैरिस्टर के अधीन प्रैक्टिस करने लगे। बाद में, उन्होंने भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय सहित देश भर में कई न्यायालयों और न्यायाधिकरणों में प्रैक्टिस की। उन्हें 1976 में वरिष्ठ अधिवक्ता नामित किया गया। वह एक प्रसिद्ध अधिवक्ता थे और वाणिज्यिक विधि और विशेष रूप से, कंपनी विधि में विशेषज्ञ थे। उन्होंने 1998 में माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में भारत के अपर महधिवक्ता के रूप में कार्य किया। उन्हें भारतीय विधि संस्थान, पश्चिम बंगाल राज्य इकाई द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया था।

4. श्री मुखर्जी सार्वजनिक जीवन में बहुत सक्रिय और जन हित के कार्यों के प्रति समर्पित थे। उन्होंने गरीबों के उत्थान और, विशेष रूप से अपने पैतृक गांव, जमालपुर, नदिया जिला, पश्चिम बंगाल के लोगों की शिक्षा और साक्षरता के लिए कार्य किए। वह कृष्णानगर निर्वाचन क्षेत्र से 13वीं लोक सभा के लिए संसद सदस्य चुने गए थे और केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए थे। वह रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री; सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री; सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री; योजना राज्य मंत्री; परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष कार्यक्रम राज्य मंत्री तथा वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जैसे पदों पर आसीन हुए। वह बंगाल रोज सोसाइटी के सदस्य भी थे और इसके अध्यक्ष भी रहे।

5. श्री मुखर्जी का 03 मार्च, 2023 को निधन हो गया।